P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com इंदौर, बुधवार 22 अक्टूबर 2025 ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 292 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

टीम सुमित में कैलाश, सुधीर व महेश बन सकते हैं महामंत्री!

आशीष गुप्ता
(9425064357)

इंदौर ◐ दैनिक इंदौर संकेत

भारतीय जनता पार्टी के विश्वनीय सूत्रों पर भरोसा किया जाए तो सुमित मिश्रा की टीम के महत्वपूर्ण महामंत्री पद पर तीन नेताओं का चयन तय कर लिया गया है। अब केवल घोषणा करना बाकी रह गया है। सूत्रों के अनुसार भाजपा की नगर कार्यकारिणी के सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले पदों पर विधानसभा क्षेत्र क्र. 2 से सुधीर कोल्हे, क्षेत्र क्र. 4 से महेश कुकरेजा, क्षेत्र क्र. 5 से कैलाश पिंपले का नाम महामंत्री के लिए लगभग तय माने जा रहे हैं।

गौरतलब है कि सुधीर कोल्हे इससे पूर्व भी नगर महामंत्री का पद संभाल चुके है। वे विधायक रमेश मेंदोला के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। वहीं महेश कुकरेजा वैसे तो विधायक मालिनी गौड़ खेमे के माने जाते हैं, चूंकि सांसद शंकर लालवानी भी अपने समर्थक को इस पद पर बैठाने के लिए प्रयासरत थे, लेकिन भोपाल के आला नेताओं ने इस क्षेत्र में सिंधी समुदाय की अच्छी-खासी आबादी होने के चलते ऐसा नाम खोजा जिसको लेकर विधायक मालिनी गौड़ और सांसद शंकर लालवानी दोनों को ही आपत्ति नहीं हुई। हालांकि महेश कुकरेजा संगठन की दृष्टि से सक्रिय कार्यकर्ता माने जाते हैं। वे मंडल अध्यक्ष के अलावा संगठन के अनेक पदों पर कार्य कर चुके हैं। इसी तरह पार्टी महामंत्री पद पर एक और अनपेक्षित नाम कैलाश पिंपले के रूप में सामने आया। कैलाश पिंपले लगभग 2 दशक से अधिक समय से संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं में शामिल माने जाते हैं। विधायक महेंद्र हार्डिया के साथ लंबे समय से जुड़े होने के बावजूद भी उनका नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से अच्छा तालमेल बताया जा रहा है।

350 से ज्यादा गायों के मरने पर कांग्रेस ने उठाया सवाल

अवसर गोवर्धन पूजा का, प्रदेश की दलीय सियासत गौ भक्ति पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ◐ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौवर्धन पूजा के अवसर पर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में दुग्ध उत्पादन को 9% से बढ़ाकर 20% तक ले जाने की तैयारी है और इसके लिए 'घर-घर गौपाल% जैसी पहल जरूरी होगी। उनके इस बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया के ज़रिए सीएम पर पलटवार करते हुए कहा कि बातों से बदलाव नहीं होता, किसानों को जमीन पर नतीजे चाहिए। उन्होंने तंज कसा कि 'आपको लगता है कि आप सबसे बड़े गौ-रक्षक बन गए हैं, लेकिन आपकी बातें सिर्फ़ कागज़ी बदलाव तक सीमित हैं। मोहन भैया झूठ बोलना बंद कीजिए।' इतना ही नहीं पटवारी ने पिछले तीन साल में गौवंश की मौत का आंकड़ा भी बताया है। इसके अनुसार, पिछले तीन साल में 350+ गौवंश की मौत हुई है।

जीतू पटवारी ने लिखा कि मुख्यमंत्री सिर्फ बयानबाजी और सस्ती लोकप्रियता के सहारे सुर्खियां बटोर रहे हैं, जबकि असली गौ-पालक अच्छी तरह जानते हैं कि मौजूदा सरकार की 'नकली गौ-भक्ति' असली गौवंश पर ही भारी पड़ रही है। जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता सिर्फ फोटो खिंचवाने में व्यस्त रहे, जबकि हाईवे गायों के लिए कब्रगाह बनते गए। उनका दावा था कि सरकार की गौरक्षा राजनीति है, संरक्षण नहीं।

पटवारी ने गिनाए गौवंश मौत के उदाहरण

- **दिसंबर 2023, आगर-मालवा :** 58 गायें गौशाला में मरीं, चारा नहीं था! फिर सवाल उठा सरकारी अनुदान कहां गया?
- **जून 2024, सिवनी :** जंगलों में 63 गौ-कंकाल मिले! भाजपा सरकार की गोरक्षा पालन की असलियत उजागर हुई!
- **जून 2024, मंडला :** फ्रीजर से मिला मांस, 150 गायों को सुरक्षा दी गई! मोहन सरकार मैदान से नदारद!
- **जून 2024, रतलाम :** रतलाम मंदिर परिसर में बछड़े का सिर मिला, बीजेपी ने सिर्फ़ राजनीति की!
- **जुलाई-सितंबर 2024, रीवा :** रीवा हाईवे पर 78 गायें कुचली गईं! भविष्य में बचाव के नाम पर सिर्फ सरकारी नौटंकी हुई!
- **जुलाई-सितंबर 2024, देवास :** हाईवे पर 54 गायों की मौत, बीजेपी नेता केवल फोटो खिंचवाते रहे!
- **जुलाई-सितंबर 2024, सीहोर :** 35 गायों ने हाईवे पर फिर दम तोड़ दिया! बेशर्म बीजेपी गोरक्षा के नाम पर ढोंग करती रही!
- **जुलाई-सितंबर 2024, विदिशा :** विदिशा में 12 गायों की सड़क हादसे में मौत, सड़कें श्मशान बनती रही, सीएम चुप रहे!
- **जुलाई-सितंबर 2024, राजगढ़ :** राजगढ़ में 13 गायें हाईवे पर कुचली गईं! जनता बोली मोहन सरकार मूकदर्शक!
- **जून 2025, भोपाल :** भोपाल की सड़कों पर रोजाना 50+हादसे, गायों के साथ जनता भी बेसहारा!

MALWA PUBLIC HIGHER SECONDARY SCHOOL
Nursery to 12th (Bio/Maths/Comm.I.P.)
27 Years of Excellence
अश्विन पाँचाल
संचालक रामनारायण पाँचाल
रोशन पाँचाल
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

सहोदय कान्वेंट स्कूल
-ENGLISH MEDIUM-
नर्सरी से 12वी तक
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
संचालक :
विजयंत शर्मा 9826808548
विनोद त्यागी 9826655505
स्थान : इन्दौर देपालपुर रोड़, बड़ोली होज जिला इन्दौर (म.प्र.)

पाठक ज्ञान दीप विद्यालय
मुरखेड़ा की और से
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

GYAN SAGAR PUBLIC
HIGHER SECONDARY SCHOOL, BIRGODA
DEPALPUR, DIST-INDORE (M.P.)
प्रवेश प्रारंभ नर्सरी से बारहवीं तक
आर्ट्स / कामर्स / गणित / जीव विज्ञान
ज्ञान सागर पब्लिक हाई सेकेंडरी स्कूल
ग्राम-बिरगोदा तह. देपालपुर
की ओर से आप सभी को दीपो के महापर्व
दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएँ

भरोसा व विश्वास का प्रतिक
श्री राजवीर कंस्ट्रक्शन
रेती, गिट्टी, धुला, चुरी
बालुरेती उपलब्ध है।
जेसीबी डम्पर किराये के लिये सम्पर्क करे।
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. देवराज मकवाना 7049594902, 9981794527
संदीप मकवाना मो. 9589972159
स्थान-बेटमा रोड़, ठाकुर पेट्रोल पम्प के पास, देपालपुर

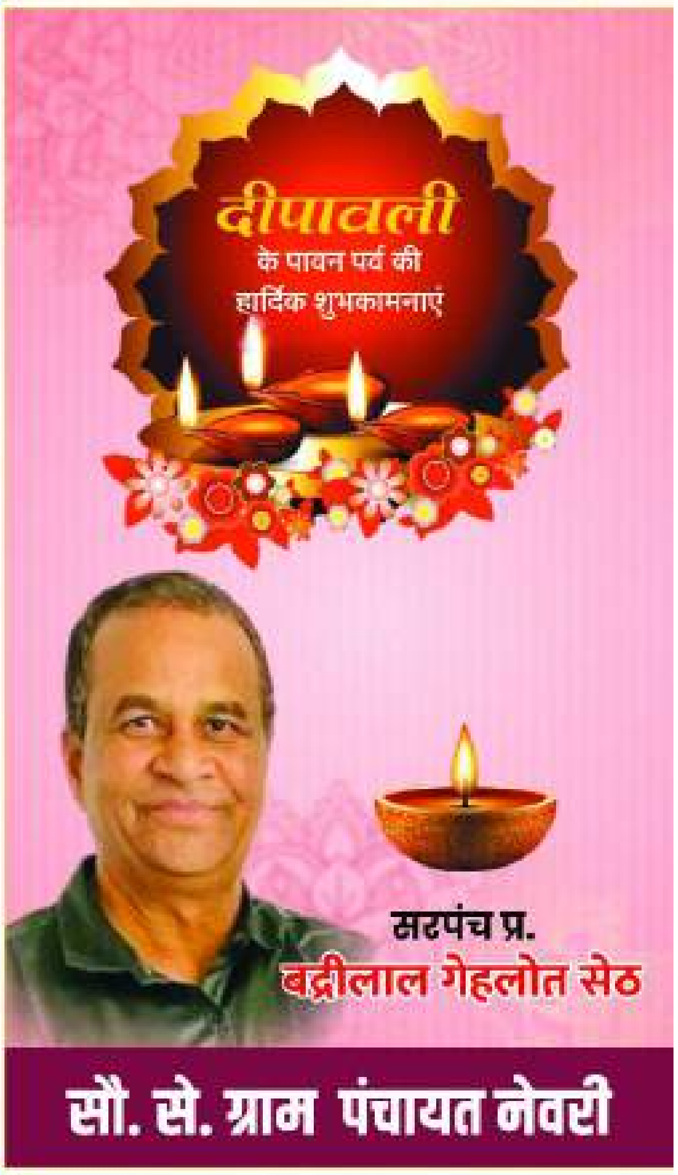
दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच प्र.
बद्रीलाल गेहलोत सेठ
सौ. से. ग्राम पंचायत नेवरी

श्रीजू इलेक्ट्रीकल्स
एण्ड हार्डवेयर शॉप
की ओर से आप सभी को दीपो के महापर्व
दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएँ
हार्डवेयर
इलेक्ट्रीकल्स
लाईट फिटिंग
मनमोहन मौर्य
संचालक
विकास मौर्य
9977674161
आकाश मौर्य
9806835662
पता : कंचन कॉम्पलेक्स, तहसील रोड़, देपालपुर

शुभ दीपावली
इस शुभ अवसर पर आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच :
नारायणसिंह पटेल
सौजन्य से : ग्राम पंचायत पिपलोदा

दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
PRAGATI
उन्नती का भरोसा...
श्री बालाजी आईल मिल
(100% शुद्ध कपास्या खली के निर्माता एवं विक्रेता)
श्री सांवरिया आईल मिल
(कोल्ड प्रेस 100% शुद्ध मुंगफली तेल के निर्माता एवं विक्रेता)
श्री नाथ इंटरप्राईजेस प्रगति एग्रो प्रोडक्ट्स
(अनेक प्रकार के पशुआहार के निर्माता एवं विक्रेता)
रोहन मोहनसिंह बड़वाया 9977409051

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 22 अक्टूबर 2025

परंपरा के लिए गौतमपुरा में चले अग्निबाण

हिंगोट युद्ध में 36 घायल हुए एक की हालत गंभीर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया

निलेश चौहान
(94250-77209)

गौतमपुरा • दैनिक इंदौर संकेत
सिर पर साफा, एक हाथ में ढाल और कंधे पर हिंगोट से भरा झोला लटकाए जैसे ही योद्धा मैदान में उतरे, दर्शक रोमांचित हो उठे पूरा स्टेडियम दर्शकों की तालियो से गूंज उठा रोमांच से भरे इस खेल के मैदान में दर्शकों की भीड़ खचाखच भरी थी। जलते हिंगोट से एक दूसरे पर वार होने लगे और युद्ध शुरू हो गया करीब डेढ़ घंटे चले इस युद्ध में दोनों ओर से आग बरसती रही गोलियों की तरह चले हिंगोट कभी योद्धाओं के दल से टकराते तो कभी जमीन से टकराकर दर्शकों की ओर रुख कर लेते लगभग 5 बजे युद्ध प्रारंभ हुआ और यह युद्ध 6:30 पर बंद हुआ।

हमेशा की तरह इस बार योद्धा सहित वहां उपस्थित दर्शक भी घायल हुए ऑन रिकॉर्ड 36 से अधिक घायल जिसमें स्टेडियम की ओर से घायल 20 और बाकी मंच की ओर से घायल थे। अधिकतर का प्राथमिक उपचार करने के बाद छोड़ दिया गया। 6 को अस्पताल पहुंचाया जिसमें 2 गंभीर हालत में इंदौर पहुंचाया।

वैसे दीपावली के दूसरे दिन सुबह से बाजार खाली थे,पर जैसे जैसे दिन ढलता गया वैसे भीड़ बढ़ रही थी। गौतमपुरा नगर की ओर उज्जैन एवं इंदौर रोड से आने वाले वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही थी,हर कोई हिंगोट मैदान जल्द से जल्द पहुंचना चाह रहा था। ताकि पूरे युद्ध का आनंद उठा सके। आखिर वह समय आगया पूरा मैदान दर्शकों को भीड़ से खचाखच भर गया।

परंपरा अनुसार भगवान देवनारायण की पूजा कर ढोल ढमाको के साथ योद्धा नाचते गाते युद्ध मैदान पर पहुंचे, सभी योद्धा युद्ध मैदान में तुर्रा और कलंगी नाम के दो दलों में बट गए और खुशी जाहिर करते हुए हिंगोट आसमान की ओर छोड़ने लगे। जैसे ही योद्धा दो दलों में बटे कुछ ही समय में आसमान की ओर जाने वाले हिंगोट का निशाना अब सामने वाले दल के योद्धा बन गए। पहला हिंगोट गौतमपुरा दल की ओर से रुणजी दल पर गिरा जवाब में दो सरसराते हिंगोट आए ,और देखते ही देखते पूरे देश में प्रसिद्ध, हिंगोट युद्ध शुरू हो गया ।सरसराते हिंगोट का निशाना सामने खड़े योद्धा बनने लगे कभी गोली की तरह तेज हिंगोट सामने वाले दल पर गिरता तो कभी जमीन से टकराकर आसमान की ओर रुख कर लेता कई बार बार तो जलता हिंगोट अपनी दिशा भटककर दर्शकों के बीच में जा गीरता। उत्साह के साथ पूरा युद्ध खेला गया जिसमें हमेशा की तरह योद्धाओं के साथ कुछ दर्शक भी घायल हुए। दलों में योद्धाओं की संख्या पर पाबंदी नहीं हे इसलिए इस वर्ष भी गौतमपुरा दल की संख्या रुणजी दल की संख्या से अधिक थी। पूरे युद्ध के दौरान दोनों दलों में योद्धाओं की संख्या घटती बढ़ती गई युद्ध के अंत में हिंगोट की संख्या कम होने लगी और धीरे-धीरे युद्ध खत्म होने लगा पुलिस एवं नगर सुरक्षा समिति के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मैदान पर आ गए और मैदान पर कब्जा कर दोनों दलों के योद्धाओं को वहां पर रोक दिया इस बार भी कानून को धता बताकर कई योद्धा शराब पीकर मैदान में उतरे युद्ध के दौरान मैदान के बाहर और अंदर कई घटनाक्रम हुए जिनका दर्शकों ने खूब आनंद लिया। नगर सहित देपालपुर बेटमा हातोद एवं इंदौर से भी पुलिस बल बुलवाया गया था। 250 से अधिक पुलिस जवान व्यवस्था को संभाले हुए थे। नगर सुरक्षा समिति के सदस्य भी मैदान के अंदर और बाहर पुलिस का सहयोग कर रहे थे।

स्वास्थ विभाग की ओर से चार 108 एंबुलेंस एवं 4 स्वस्थ टीम दोनों ओर व्यवस्था संभाले हुई थी।बाहर से आने वाले वाहनों को नगर के बाहर ही पार्किंग व्यवस्था थी। आने वाले लोगों को वाहन खड़े कर करीब 1 किलोमीटर पैदल चल कर हिंगोट मैदान तक पहुंच रहे थे। शासकीय अस्पताल की टीम घायलो का इलाज कर रही थी वहीं मंच एवं स्टेडियम की ओर दोनों तरफ चार 108 एंबुलेंस खड़ी थी। 5 फायर ब्रिगेड भी मैदान में थीं। नगर परिषद की ओर से एक मंच लगाया गया था जिसमें सभी अतिथिगण उपस्थित हुए।

झलकियां

- युद्ध के आखिरी समय गौतमपुरा की ओर से 100 से अधिक योद्धा थे। वहीं रूंनजी की तरफ मात्र 15 ही योद्धा बचे थे जो लड़ रहे थे।
- दोनों तरफ कुल 6 योद्धाओं के हिंगोट के झोले जले। भी मैदान के बाहर 2 झोले जले।
- युद्ध के समय 3 बार अनार छोड़ के युद्ध रुकवाने का प्रयास किया।
- चलते युद्ध में 3 बार मौके आए। एंबुलेंस को मैदान से निकाला।
- मंच से बार बार योद्धाओं को पीछे हटने की हिदायत दी जा रही थी पर वे मानने के लिए तैयार नहीं थे।
- लड़ाई शुरू होने के कुछ मिनिट में ही गौतमपुरा का योद्धा लड़ते लड़ते रणजी दल के बीच पहुंच गया।

एमपी में दिवाली के बाद जहरीली हुई हवा

इंदौर-सागर में एक्यूआई 340+ पार, सांस लेना मुश्किल!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • दिवाली की रात आतिशबाजी के कारण मध्य प्रदेश में हवा काफी खराब हो गई। रात 9 बजे के बाद भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जैसे कई शहरों में एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया। दिवाली की रात मध्यप्रदेश के कई शहरों में देर तक पटाखे चले। शाम 5 बजे तक जो हवा ठीक थी, वह रात 9 बजे के बाद प्रदूषित हो गई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर और सिंगरौली जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300 के पार चला गया। एक्यूआई का यह स्तर खराब हवा की श्रेणी में आता है। इंदौर में हवा सबसे ज्यादा जहरीली रही, यहां एक्यूआई 361 तक पहुंच गया। प्रदूषण इतना बढ़ गया कि मंगलवार सुबह लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने लगी। आतिशबाजी ने हवा को सांस लेने लायक नहीं छोड़ा। दीपावली की रात आठ बजे से 12 बजे तक एमपी में जोरदार आतिशबाजी हुई। इस आतिशबाजी के कारण हवा का पीएम लेवल (पर्टिकुलेट मैटर पीएम 2.5) चार गुना तक बढ़ गया। यह प्रदूषण के तत्व अगले दिन भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बने। मंगलवार सुबह कई शहरों में लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पीएम लेवल उन छोटे प्रदूषण करने वाले कणों को कहा जाता है जो आंखों से दिखाई नहीं देते हैं।

इंदौर के छोटी ग्वालटोली एरिया में एक्यूआई361 दर्ज हुआ। एयरपोर्ट एरिया में भी रिकॉर्डतोड़ बढ़त देखने को मिली। हवा इतनी खराब रही कि लोगों की आंखों में जलन और गले में सूखापन महसूस हुआ।

इंदौर हाईकोर्ट ने छुट्टी के दिन की स्पेशल सुनवाई

नीट यूजी काउंसलिंग की उम्मीदवार को राहत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • इंदौर हाईकोर्ट में छुट्टी के दिन मंगलवार 21 अक्टूबर को स्पेशल बेंच बैठी और सुनवाई हुई। यह सुनवाई करीब आधा घंटे चली। सुनवाई नीट-यूजी 2025 की 22 अक्टूबर को हो रही तीसरे चरण की काउंसलिंग को लेकर हुई। इसमें उम्मीदवार आर्ची अनाया अग्रवाल ने याचिका लगाई थी।

यह थी याचिका-याचिकाकर्ता अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता नितिन सिंह भाटी ने तर्क रखे। स्पेशल बेंच में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस गजेंद्र सिंह थे। इसमें बताया गया कि याचिकाकर्ता द्वारा दूसरे राउंड की काउंसलिंग में 22 सितंबर को स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस श्री सत्य सांई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेस सीहोर में एमबीबीएस की सीट मिली थी। लेकिन वह अब अगले राउंड की काउंसलिंग में नई कॉलेज में सीट के लिए शामिल होना चाहती है तो उसे रोका जा रहा है। तीसरी काउंसलिंग में शामिल होने देने की मांग याचिका में की गई।

यह थे शासन और याचिकाकर्ता के तर्क-याचिकाकर्ता के तर्क थे कि दूसरी काउंसलिंग में कुछ कॉलेज नहीं थे, जो अब तीसरे राउंड की काउंसलिंग में जोड़े गए हैं और नई सीट जुड़ी है। ऐसे में वह इन कॉलेज में जाना चाहती है और इसके लिए काउंसलिंग में फिर शामिल होना चाहती है। वहीं शासन की ओर से तर्क था कि दूसरे राउंड में सीट लेने वाले को अब सीट छोड़ने की मंजूरी नहीं दी जा सकती है क्योंकि अब सीट छोड़ी तो वह पूरे पांच साल खाली रहेगी। इसके लिए शासन ने काउंसलिंग नियम भी रखे।

हाईकोर्ट बेंच ने यह दी राहत-इस मामले में मध्यप्रदेश की इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने यह देखते हुए कि नए कॉलेज और सीट काउंसलिंग में जुड़ी है। याचिकाकर्ता को तीसरे राउंड की काउंसलिंग में शामिल होने की अंतरिम राहत दी है। साथ ही कहा है कि यह अंतरिम राहत है, लेकिन यह अंतिम आदेश के तहत रहेगी। इससे याचिकाकर्ता को किसी भी तरह के अधिकार उत्पन्न नहीं होते हैं।

दिवाली की रात खूनी खेल

शराब पार्टी में हुआ विवाद तो युवक पर 10 से ज्यादा लोगों ने बोला हमला, मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • दिवाली की रात शहर में खूनी खेल हुआ है। एक युवक की हत्या चाकू मारकर कर दी गई है। घटना आजाद नगर थाना क्षेत्र के पालदा इलाके की है, जहां शराब पार्टी के दौरान झगड़े ने जानलेवा रूप ले लिया है। जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान राजा सोनकर के रूप में हुई है। वह पारसी मोहल्ले का रहने वाला है।

वहीं, बताया जा रहा है कि राजा अपने दोस्तों के साथ एक निजी बस डिपो के गार्ड रूम के बाहर पार्टी कर रहा था, तभी किसी बात पर विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि वहां मौजूद 10-12 लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। परिजन उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब एक बजे की है। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में वसीम और उसके साथियों के नाम सामने आए हैं। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने 5-6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। वारदात का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमले के बाद राजा लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिरता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक राजा सोनकर संयोगितागंज थाने का लिस्टेड बदमाश था। उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

जेल रोड पर बिजली के पोल में आग, एक घंटा गुल रही बिजली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • जेल रोड पर एक बिजली के पोल में अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के चलते तारों से चिंगारियां निकलने लगीं। समय रहते पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना मंगलवार रात करीब 1 बजे की है। शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली के तारों में स्पार्किंग शुरू हो गई। सूचना मिलने पर एमजी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर स्टेशन व एमपीईबी कार्यालय को सूचित किया। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गई। इलाके की बिजली सप्लाई बंद करने के बाद आग बुझाने का काम शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के लिए करीब 1000 लीटर पानी और फोम का इस्तेमाल किया गया। इस हादसे में किसी तरह की जनहानि या आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, करीब एक घंटे तक क्षेत्र की बिजली बाधित रही। एमजी रोड क्षेत्र का जेल रोड मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। एरोड्रम थाना क्षेत्र के पंचशील नगर में देर रात एक मकान में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और 5000 लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह पटाखों की चिंगारी बताई जा रही है।

लापरवाही पाए जाने पर पटाखों के आठ गोदाम किए गए सील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन और सुरक्षात्मक उपायों में लापरवाही पाए जाने पर मोरोद स्थित फटाखो के आठ गोदाम सील किए गए हैं।

एसडीएम अजय भूषण शुक्ला ने बताया कि आज जिन फटाखा गोदामो में कार्रवाई की गई है उनमें भागचंद बोदोमल, बालाजी एजेंसी, क्लासिक फायर वर्क्स, प्रभु प्रकाश, नरेश चावला, जयप्रकाश सुखियानी, सतनाम फायर वर्क्स तथा राजकुमार ईश्वर दास के गोदाम शामिल है।

रील बनाने के लिए खतरे में डाली जिंदगी!

युवती का बाइक स्टंट वीडियो वायरल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • सोशल मीडिया पर यूं तो कई वीडियो वायरल होते है लेकिन शहर में एक युवती का वीडियो वायरल हो रहा है जो कि न सिर्फ खुद के लिए जान का खतरा साबित हो सकता है वहीं दूसरों की जान भी खतरे में डालती नजर आती हुई नजर आ रही है, यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होता नजर आ रहा है। जिसके बाद इंदौर पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हरकत में आई और वीडियो की जांच शुरू कर दी है।

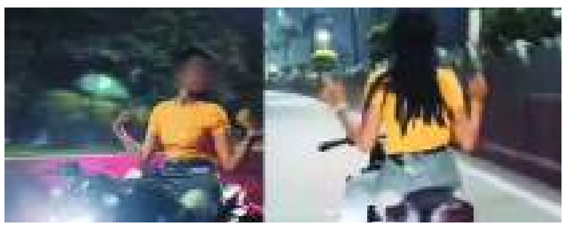

शहर में एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवती सिर्फ सोशल मीडिया पर रील बनाने के जुनून में अपनी जान को खतरे में डालती नजर आ रही है। वीडियो में युवती हाथ छोड़कर बाइक चलाती दिखाई दे रही है। वह न सिर्फ ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा रही है, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा को भी खतरे में डाल रही है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि एक वीडियो सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक युवती बाइक पर स्टंट कर रही है, बिना हेलमेट ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन भी दिखाई दे रहा है हमारे द्वारा देखा जा रहा है कि यह वीडियो कहा का है और किसने इसे अपनी प्रोफाइल पर अपलोड किया है पहचान कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवती को भारी पड़ सकता है नियम तोड़ना

फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह वीडियो कब और किस इलाके में शूट किया गया था। इंदौर पुलिस ने इस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के संकेत दिए हैं। वही अब रील के जुनून में नियम तोड़ना अब युवती को भारी पड़ सकता है।
पुलिस के मुताबिक, ये ट्रैफिक नियमों का खुला उल्लंघन है।
प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि युवती ने केवल हेलमेट नहीं पहना है, बल्कि खतरनाक तरीके से स्टंट भी किया।

सराफा चौपाटी को लेकर महापौर से चर्चा : श्राद्धपक्ष भी निकल गया, कुछ तय नहीं हुआ-सराफा व्यापारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • सराफा चौपाटी के मामले में अभी तक कुछ तय नहीं हो पाया है। श्राद्धपक्ष के बाद इसे लेकर चर्चा होना थी, जो अभी तक नहीं हो सकी है। इसे लेकर सराफा व्यापारी एसोसिएशन में नाराजगी है। इस विषय में अध्यक्ष ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से बात की है जल्द ही मामले में बैठक करने के लिए कहा है। हालांकि महापौर ने त्योहार बाद बैठक करने का आश्वासन दिया है। बता दे कि इंदौर के सराफा बाजार में लगने वाली रात्रिकालीन सराफा चौपाटी को लेकर इंदौर चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन ने आपत्ति ली थी। उनका कहना था कि चौपाटी को यहां से शिफ्ट किया जाए। इसे लेकर उन्होंने मौन प्रदर्शन किया था, व्यापारियों के साथ बैठकें की थी। जिसके बाद महापौर के साथ उनकी बैठक हुई थी, जिसमें व्यापारियों ने अपनी समस्याएं बताई थी। सराफा चौपाटी किस प्रकार लगे इसे लेकर भी सुझाव दिए थे। विभिन्न विषयों पर चर्चा होने पर बैठक में आपसी समन्वय हुआ था, जिसमें तय किया था कि श्राद्धपक्ष के बाद व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण करेंगे। इसे लेकर एक कमेटी भी बन चुकी है। सराफा चौपाटी के विषय में चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष हुकुम सोनी ने हालही में महापौर के साथ चर्चा की। उन्होंने बताया कि महापौर से सराफा चौपाटी के विषय में जल्दी बैठक करने के लिए कहा गया है, ताकि यहां व्यापारियों को आने वाली समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण हो सके।

शहीदों और पुरखों के नाम रोशन किए दिये

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर • आनंद गोष्ठी के संयोजक लव गोविन्द मालू ने बताया कि संस्था के संस्थापक स्व.श्री गोविंद जी मालू द्वारा प्रारंभ किए गए इस पावन कार्यक्रम को हर वर्ष की तरह इस दीपपर्व की श्रृंखला में नरक चतुर्दशी को संस्था द्वारा एक दिया पुरखों के नाम व एक दिया शहीदों के नाम शहर के हर शमशान घाट पर लगाकर पुरखों एवं देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सेना व सुरक्षाबलों के वीर जवानों की याद में यह कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में हमारी तीनों सेनाओं के वीर जवानों को भगवान श्री कृष्ण दिव्य शक्ति मिले ,भारत आतंकवाद के नरकासुर रूपी राक्षसों के बंधन से मुक्ति पाए और हमारे जवानों को अकाल मृत्यु के भय से निर्भयता मिले शहीदों को स्वर्ग व मोक्ष की प्राप्ति हो ऐसी कामना की गई।

सम्पादकीय

दिवाली के बाद दिल्ली की हवा फिर क्यों हुई 'बहुत खराब'? क्या हरित पटाखे से भी बिगड़े हालात

दिवाली की अगली सुबह दिल्ली की हवा में घुला व्यापक प्रदूषण यह बताने के लिए काफी है कि लोगों ने अदालत के निर्देशों का कितना खयाल रखा। आमतौर पर हर वर्ष दिवाली के बाद अगले दिन दिल्ली की हवा की दशा ऐसी हो जाती है कि बहुत सारे लोगों को सांस लेने तक में दिक्कत महसूस होने लगती है। इस वर्ष फिर स्थिति ऐसी हो गई कि मंगलवार को दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य इलाकों में वायु की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। यह स्थिति तब है, जब पिछले कई वर्षों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को लेकर हर स्तर पर गंभीर चिंता जताई जाती रही है। यहां की हवा को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ प्रदूषण का कारण बनने वाली गतिविधियों पर रोक के लिए सख्त कदम उठाने के दावे किए जाते हैं। इस बार दिवाली के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखे चलाए जाने की इजाजत दी थी, मगर इस छूट का किस हद तक बेजा इस्तेमाल किया गया, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिल्ली में कई जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक को तीन सौ से ज्यादा पर दर्ज किया। गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआइ पर तीन सौ से चार सौ के बीच के आंकड़े को 'बहुत खराब' की श्रेणी में बताया गया है। दिल्ली में ठंड की शुरुआत के साथ ही हवा घनीभूत होने के कारण प्रदूषण का संकट गहराने लगता है। यह अमूमन हर वर्ष की हकीकत है, लेकिन हैरानी की बात है कि इन तथ्यों को जानते-बूझते हुए भी सरकार की ओर से जो कदम उठाए जाते हैं, वे या तो केवल नाम भर के लिए साबित होते हैं या फिर बेअसर रहते हैं। दूसरी ओर, दिल्ली के ज्यादातर निवासियों को लगता है कि इस समस्या पर नियंत्रण पाने के मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। नतीजतन, प्रदूषण की मार झेलने के बावजूद बहुत कम लोगों के भीतर यह दायित्वबोध दिखता है कि वे प्रदूषण के कारणों पर काबू पाने में सक्रिय भागीदारी करें। इसके उलट ज्यादातर लोग सरकार या अदालतों की ओर से मिली मामूली छूट के बाद इस कदर बेलगाम हो जाते हैं, मानो उन्हें प्रदूषण के संकट को और बढ़ाने की इजाजत मिल गई! दरअसल, इस वर्ष प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका के मद्देनजर पटाखे पर पाबंदी के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने थोड़ी राहत दी थी और हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। मगर दिवाली से पहले ही ग्रैप चरण दो भी लागू किया गया था, ताकि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारणों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके, लेकिन पटाखों की धूम में यह प्रयास बेअसर हो गया। इसमें दोराय नहीं कि सर्दियों की आहट के साथ प्रदूषण की समस्या के गहराने में मौसम की भूमिका होती है।

हैप्पी दीवाली... जहां मीठे तेल में डूबी झिलमिलाती बाती की जगह खुशबूदार मोम की बत्ती धुंआ छोड़ते हुए इठलाती है

कभी-कभी लगता है, निजी भावनाओं का भी ग्लोबलाइजेशन हो गया है। पहले दिये मीठे तेल में डूबी बाती के जलते छोर से पर्व के आनंद का झिलमिल प्रकाश फैलाते थे, लेकिन अब कई तरह की फ्रेगरेंस छोड़ते मोम के साथ हैप्पी होकर इठलाते हैं। पहले दीवाली अपनों के साथ घर में मनाई जाती थी, अब दूर से ही वीडियो कॉल पर लाउडली प्रोनाउन्स की जाती है हैप्पी दीवाली!

यह देखकर मेरे मन में एक प्रश्न सुलगता नहीं सिसकता है, क्या सचमुच यह वही भारत है जहाँ लोग बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर, साथियों के गले मिलकर, अजनबियों के सामने भी हाथ जोड़कर दीवाली की राम राम या शुभ दीपावली कहा करते थे। वह शब्द, जिनमें प्रेम था, आशीर्वाद था, अपनापन था। अब वही देश हैप्पी दीवाली कहकर आधुनिक होने के गर्व से फूला नहीं समाता।

इन नवसाक्षर विद्वानों से पूछिए, क्या दीवाली अंग्रेज़ों के आने के बाद ही हैप्पी हुई थी? क्या उससे पहले जब अंग्रेज और उनकी अंग्रेजी दोनों ही हमारे किए अज्ञात थे तब क्या हम सब अनहैप्पी, अविकसित और अशिक्षित थे , क्योंकि उस समय हमें तो हैप्पी शब्द का उच्चारण भी नहीं आता था?

हैप्पी' का पहला चिराग अंग्रेज़ जब आए, तो रेल लाए, तोप लाए, चाय लाए, कानून लाए और साथ में 'हैप्पी' भी लाए। उन्होंने कहा, यूं इंडियंस हैव लॉट ऑफ फेस्टिवल्स बट वेयर इज योर हैप्पीनेस और हम लज्जित होकर नतमस्तक हो गए, सॉरी सर, अभी लाते हैं हैप्पीनेस। बस, उसी दिन से दीवाली शुभ से हैप्पी हो गई। वो दिन है और आज का दिन, अब हर गली, हर अख़बार, हर मोबाइल पर एक ही मंत्र गूँजता है, हैप्पी दीवाली टू यू। जैसे शुभ दीपावली कोई लोकल ट्रेन पकड़ना हो, और हैप्पी दीवाली हवाई जहाज में सफ़र करना।

घर-घर में 'हैप्पी होने का स्कूल' अब हर माँ एक शिक्षिका है, और हर बच्चा एक प्रोजेक्ट। बेटा, दीवाली पर अंकल को क्या कहोगे? बेटा बोला चरण स्पर्श करूंगा और शुभ दीपावली कहूंगा। नालायक! जस्ट शेक हैंड एंड से हैप्पी दीवाली! बच्चा ऐसे ही बोलता है, और पूरा परिवार हैप्पीनेस से ओवरफ्लो हो जाता है।

माँ सोचती है – अब समाज में हमारी रिपयूट अपग्रेड हो गई।

मंदिरों में भी हैप्पी' की गूंज दीपावली के अवसर पर मंदिर परिसर दीवाली की राम राम से गूँजता था। लेकिन अब भक्त एक-दूसरे से कहते हैं, हैप्पी दीवाली! यह सुनकर भगवान भी मुस्कराते होंगे – वाह रे मानव, कल को तो तू पूजा भी अंग्रेज़ी में करने लगेगा! अगली बार शायद कहा जायेगा – हैप्पी दीवाली टू यू लार्ड रामा!

आजकल तो मजदूर भी हैप्पी दीवाली बोल रहा है, और रिक्शेवाला भी। उसे लगता है, अगर जुबान अंग्रेज़ी हो जाए तो पेट की भूख भी कुछ क्लासी लगने लगेगी। आज अगर आप किसी को शुभ दीपावली कह दें, तो वह ऐसे देखता है जैसे आपने कोई मंत्रपाठ या धार्मिक उपदेश शुरू कर दिया हो। वो कहता है, अरे यार, जरा मॉडर्न बनो और हैप्पी हो जाओ ना।

शुभ अब भावनाओं का नहीं, भाषाई पिछड़ेपन का प्रतीक बन गया है। शुभ में आशीर्वाद था, आत्मीयता थी। हैप्पी में रिंगटोन की टंकार है। शुभ आत्मा से जुड़ा था, हैप्पी नेटवर्क कनेक्शन से। शुभ रिश्ते जोड़ता था, हैप्पी रील्स पर लाइक्स बढ़ाता है।

'हैप्पी' का लोकतंत्र अब हैप्पी बोलना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। कंपनी में बॉस को हैप्पी दीवाली न कहा तो इंक्रीमेंट अनहैप्पी। सोसाइटी में पड़ोसी को न कहा तो आप एंटी सोशल कहलाएंगे। अब तो राजनेता भी भाषण के अंत में कहते हैं –हैप्पी दीवाली। जैसे बिना अंग्रेज़ी के शुभकामना अवैध मानी जायेगी।

हैप्पी अब एक करेन्सी है – जो हर रिश्ते की वैल्यू तय करती है। हैप्पी दीवाली बोलिए, आपका स्टेटस बढ़ जाएगा। शुभ दीपावली बोलिए, और सब समझेंगे कि आप अशिक्षा की बस पकड़कर आए हैं।

'हैप्पीवाली' दीवाली अब यह त्योहार कम, इवेंट ज़्यादा है। दिये अब तेल से नहीं, मोम की टी लाइट और एलईडी बल्बों से जलते हैं। शुभकामना संदेश अब भावनाओं से नहीं लिखे जाते, बने बनाए फॉरवर्ड किए जाते हैं। इंस्टाग्राम पर लोग दीवाली मनाते नहीं, पोस्ट करते हैं। त्यौहार की आत्मा अब इमोजी में सिमट गई है।

'हैप्पी' का अर्थशास्त्र मार्केटिंग के युग में हैप्पी न हो तो सेल नहीं लगती। हैप्पी दीवाली ऑफर, हैप्पी दीवाली बोनस, हैप्पी बचत, हैप्पी लालच हर व्यापारी अंग्रेज़ी में ही श्रद्धा व्यक्त करता है। शुभ लाभ की जगह अब हैप्पी प्रॉफिट अनलिमिटेड ने ले ली है। अब व्यापारी भी समझ चुका है अंग्रेज़ी में बोले बिना ग्राहक हैप्पी नहीं होता है।

'हैप्पी' होने की बीमारी यह सिर्फ भाषा का प्रश्न नहीं, सोच की बीमारी है। हमने अपनी संस्कृति को भाषाई वाशिंग मशीन में डाल दिया है। जिसमें धुलकर निकला हर शब्द फॉरेन फिनिशिंग में चमकता है। धन्यवाद से थैंक यू, मित्र से फ्रेंड, शुभ दीपावली से हैप्पी दीवाली, हर भाव को हमने वाश कर दिया है। अब हम अपनी ही जुबान बोलने में शर्मिंदगी महसूस करते हैं। हमें लगता है। यह मानसिक दासता का प्रतीक नहीं तो और क्या है?

रामायण में 'हैप्पी'? दीपावली का दीप बुझने से पहले सोचिए। जब प्रभु श्रीराम चौदह साल का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे, तो क्या जनता ने कहा था कि वेल कम होम लॉर्ड श्रीराम, वी आर हैप्पी नहीं! उन्होंने कहा था, प्रभु श्रीराम पधारे हैं! दीपक जलाओ, दीवाली मनाओ! वह दीपावली श्रद्धा और भक्ति की थी, ब्रांडिंग की नहीं। उस दीपक में आत्मा की लौ थी। तबसे लेकर अग्रेजों की गुलामी से पहले तक दीवाली में प्रेमपूर्ण रिश्तों की गर्माहट थी।

यह हैप्पी शब्द या अंग्रेजी भाषा के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं है, यह तो उस षडयंत्र के खिलाफ आवाज है जो हमारे उत्सवों की आत्मा को विदेशी पैकेजिंग में बेचने लगा है। जिसकी नजर में दीवाली एक पर्व नहीं बिलियन डॉलर का बाजार है।

कभी शुभ दीपावली या दीवाली की राम राम कह कर देखिए, कितनी आत्मीयता उतरती है मन के अंदर। उसमें आंगन की सोंधी सुगंध है, संस्कार की मिठास है। हैप्पी दीवाली में तो बस हवा है, वो भी ब्रिटिश ऑक्सीजन कंपनी की।

और मैं... अब भी 'शुभ' हूँ, 'हैप्पी' नहीं जब कोई मुझसे कहता है, हैप्पी दीवाली, तो मेरे भीतर एक छोटा-सा दीया बुझ जाता है। मैं सोचता हूँ, क्या हमारी भाषा इतनी ग़रीब हो गई कि हमें खुशी भी अंग्रेज़ों से उधार लेनी पड़ रही है?

क्या शुभ कहना अब एक्सटिंक्ट हो गया है? शायद हां या शायद नहीं। शुभ तो शाश्वत है, हैप्पी बस एक सीज़नल सेल है। इस दीवाली मैं प्रार्थना करता हूँ हे प्रभु, मुझे इतना साहस देना कि मैं अब भी आपको शुभ दीपावली कह सकूं। क्योंकि मैं हैप्पी-हिप्पी नहीं, एक भारतीय भर हूँ।

।। जय भारत, शुभ दीपावली।।

राजकुमार जैन
– स्वतंत्र विचारक

आंचलिक

किसान महासंघ ने भावांतर योजना का विरोध किया, मंडी बंद की चेतावनी

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के प्रतिनिधियों ने खरगोन में किसानों की समस्याओं को लेकर सांसद गजेंद्रसिंह पटेल और विधायक बालकृष्ण पाटीदार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भावांतर योजना का विरोध किया। महासंघ ने कपास पर अमेरिका को फायदा पहुंचाने वाले आयात शुल्क मुक्त समझौते को रद्द करने की मांग की। उन्होंने जिले में सोयाबीन की भावांतर योजना के तहत खरीदी बंद करने की बात भी उठाई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा 24 अक्टूबर तक कपास की खरीदी शुरू नहीं की गई, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

आंदोलन की चेतावनी दी

विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने भावांतर योजना को सरकार की किसान हितैषी योजना बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि सोयाबीन की खरीदी समर्थन मूल्य 5328 रुपये से कम दाम पर होती है, तो अंतर की राशि सरकार द्वारा दी जाएगी। विधायक ने कहा कि 15 दिनों के भीतर प्रदेश की मंडियों का मॉडल भाव तय होगा। यदि उपज 4000 रुपये प्रति क्विंटल खरीदी जाती है, तो किसान को 1328 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर मिलेगा। उन्होंने किसानों को सोयाबीन की गुणवत्ता (मोटा या पतला) को लेकर चिंता न करने की सलाह दी। महासंघ के प्रतिनिधियों

ने प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र भी विधायक को सौंपा। इस पत्र में कपास खरीदी में नमी की सीमा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की मांग की गई है।

इसके अतिरिक्त, देशभर के किसानों को ऋण मुक्त करने, किसानों को C2 प्लस 50 प्रतिशत एमएसपी की गारंटी देने और मिर्च को मसाला का दर्जा देने जैसी अन्य मांगें भी शामिल थीं। इस मुलाकात के दौरान मालवा प्रांत महामंत्री रामेश्वर गुर्जर, निमाड़ प्रांत अध्यक्ष जगदीश यादव, गोपाल पाटीदार, प्रांतीय संगठन मंत्री दुलीचंद बिरला, प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश पाटीदार, जिलाध्यक्ष किशोर पाटीदार और महामंत्री सीताराम इंगला सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। इससे पहले किसानों ने एक बैठक कर अपनी रणनीति तय की थी और फिर सांसद सुविधा केंद्र व विधायक के निवास पर पहुंचे थे।

इंदौर-खंडवा रोड होली तक होगा पूरा :मोरटक्का ब्रिज और सिमरोल वायडक्ट का काम आखिरी स्टेज में

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

निमाड़-मालवा वालों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि इंदौर-खंडवा रोड का काम इस होली तक पूरा हो जाएगा, जिससे इस रोड का अंधेरा (सफर की मुश्किलें) खत्म होने जा रहा है। दरअसल, इस रोड पर अक्टूबर महीने तक मोरटक्का के नर्मदा ब्रिज और सिमरोल के वायडक्ट पर गर्डर लॉन्चिंग का काम आखिरी स्टेज में पहुंच गया है। ह्र्र्ठ्ठ (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के मुताबिक, अगले चार महीने के भीतर तीनों सुरंग, नर्मदा पुल और वायडक्ट बनकर तैयार हो जाएंगे।

एनएचएआई के मुताबिक, इंदौर-हैदराबाद कॉरिडोर के तहत तेजाजी नगर से बलवाड़ा तक 6 लेन हाईवे बन रहा है। इसी हिस्से में सिमरोल टनल के बाद बनाए जा रहे वाया डक्ट पर 160 गर्डर की लॉन्चिंग पूरी हो चुकी है। यह कुल 450 मीटर का वायाडक्ट है, जिसमें 30-30 मीटर का एक-एक स्पान (हिस्सा) है।

यहां 80 से 100 टन वजनी प्रत्येक गर्डर को

2 क्रेन की मदद से खाई से 30 मीटर ऊपर बने दो पियर के बीच रखा गया। यह पूरी प्रक्रिया मार्च में शुरू हुई थी और पिछले सप्ताह ही पूरी हुई है। निर्माण कंपनी मेघा इंजीनियरिंग ने अगले साल मार्च तक इस हिस्से से ट्रैफिक शुरू करने का दावा किया है। इधर, नर्मदा नदी पर मोरटक्का में बन रहे ब्रिज का कार्य भी मार्च तक पूरा कराने का दावा किया गया है। इस ब्रिज के साथ ही बलवाड़ा से धनगांव के बीच बन रहा 45 किलोमीटर का फोरलेन भी कम्प्लीट होगा। खंडवा एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी के मुताबिक, बलवाड़ा-धनगांव प्रोजेक्ट 45 किलोमीटर का है, जिस पर सड़क निर्माण लगभग पूरा हो गया है। एक रेलवे ब्रिज का काम अधूरा है और बाकी नर्मदा नदी का ब्रिज है। नर्मदा नदी पर चार स्पान बाकी हैं, जो पांचवां स्पान था, उसे पिछले महीने कम्प्लीट किया है। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी ने कहा कि, नर्मदा ब्रिज पर बाकी चारों स्पान का निर्माण अगले दो महीने में पूरा हो जाएगा। जनवरी के तीसरे सप्ताह तक इस ब्रिज का एक हिस्सा यानी टूलेन पर ट्रैफिक खोल दिया जाएगा। वहीं बाकी मार्च तक नर्मदा के साथ धनगांव-बलवाड़ा प्रोजेक्ट को कम्प्लीट कर देंगे। यानी आने वाले होली त्योहार तक खंडवा-इंदौर फोरलेन कम्प्लीट हो जाएगा। उन्होंने बताया कि खंडवा जिले में धनगांव से बोरगांव बुजुर्ग का हिस्सा दो साल पहले कम्प्लीट हो चुका है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के भिड़े ओंकारेश्वर पहुंचे:परिवार सहित ज्योतिर्लिंग दर्शन किए

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी सीरियल में भिड़े मास्टर के रूप में अभिनय करने वाले कलाकार मंदार चंदवादकर मंगलवार को ओंकारेश्वर पहुंचे। उन्होंने फैमिली के साथ ज्योतिर्लिंग में दर्शन किए। दोपहर बाद वे यहां से रवाना हुए। मंदार अपने पूरे परिवार के साथ इंदौर से कार में सवार होकर आए थे।

टीवी सीरियल के आत्माराम तुकाराम भिड़े ने दोपहर के समय खंडवा के मोरटक्का स्थित एमपी टूरिज्म के एक होटल में नाश्ता किया। यहां उन्होंने वेज बिरयानी, रसमलाई का लुत्फ उठाया। उन्होंने कहा कि रसमलाई उन्हें काफी बढ़िया लगी, ओंकारेश्वर दर्शन को लेकर कहा कि, लंबे समय से

ज्योतिर्लिंग दर्शन की इच्छा थी। जो अब पूरी हो सकीं। इधर, होटल के स्टाफ व बच्चों के साथ उन्होंने फोटो खिंचवाई और सेल्फी ली और फिर इंदौर के लिए रवाना हुए। मोरटक्का में होटल से बाहर निकलने के दौरान भिड़े मास्टर को देखने के लिए आने-जाने वाले लोग रूके गए थे?। वे उनका होटल से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान जब वे पिछले गेट से बाहर निकले तो फैन्स सेल्फी लेने के लिए आगे बढ़ने लगे।

स्टेट हाईवे-15 जर्जर, 35 किमी का सफर डेढ़ घंटे में, 5-10 इंच गहराई के 25 हजार से ज्यादा गड्ढे

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

नर्मदापुरम-टिमरनी और हरदा-खंडवा को जोड़ने वाला स्टेट हाईवे-15 पूरी तरह खस्ताहाल हो चुका है। सड़क जगह-जगह से जर्जर है, जिससे हालात यह हैं कि 35 किलोमीटर के सफर में डेढ़ घंटे से ज्यादा का वक्त लग रहा है। हाईवे पर 5 से 10 इंच गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिनसे गाड़ियों में टूट-फूट हो रही है और यह हाईवे लोगों की जान भी ले रहा है। सड़क का मेंटेनेंस का ठेका दिया जा चुका है, लेकिन ठेकेदार द्वारा काम धीमी रफ्तार से किया जा रहा है।

खंडवा, हरदा और नर्मदापुरम जिलों को जोड़ने वाले इस स्टेट हाईवे-15 की लंबाई 190 किमी है, जो एमपीआरडीसी का है। इस मार्ग पर बारिश और डंपर-ट्रॉले की अधिक आवाजाही से 25 हजार से ज्यादा गड्ढे हो चुके हैं। सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि नए वाहन भी एक ही सफर में टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं। दूसरा, इन गड्ढों की वजह से सड़क पर धूल के गुबार भी बन रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में भारी परेशानी हो रही है। सफर में भी सामान्य से अधिक समय लग रहा है। एमपीआरडीसी के प्रबंधक सियाराम अहिरवार ने बताया, नर्मदापुरम में टिमरनी और हरदा से खंडवा तक का मेंटेनेंस करवाया जा रहा है। आशापुर से खिरकिया की हालत बेकार है। यहां दो टीमें काम कर रही। नर्मदापुरम टिमरनी तक भी दो टीम काम कर रही है।

महेश्वर में 4 करोड़ का श्याम धाम तैयार, 1 नवंबर को प्राण-प्रतिष्ठा

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

महेश्वर तहसील के धरगांव में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित श्री श्याम सांवलिया धाम (खाटूश्याम, सांवलिया सेठ और सालासर बालाजी मंदिर) अब प्राण-प्रतिष्ठा के लिए तैयार है। यह पंचदिवसीय आयोजन 29 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलेगा, जिसका मुख्य आकर्षण 1 नवंबर को सुबह 8 बजे होने वाली मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। मंदिर ट्रस्टियों के अनुसार, अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर 25 जनवरी 2024 को भूमि पूजन के बाद निर्माण कार्य तीव्र गति से पूरा किया गया है। ट्रस्ट ने अनुमानित 3 लाख भक्तों के आवागमन को देखते हुए 70 एकड़ भूमि पर विशाल व्यवस्था की है। इसके लिए 1100 सेवा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम मैदान में उतारी गई है। व्यवस्थाओं में 6 एकड़ में भोजन पंडाल (भोग प्रसाद स्टॉल), 6 एकड़ में श्याम मेला (मनोरंजन) और 54 एकड़ में विशाल पार्किंग मैदान शामिल है। दानदाताओं में भंडारे के लिए विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। परिसर में पुलिस सेवा केंद्र, स्वास्थ्य सेवा केंद्र और पर्याप्त पानी व सुलभ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध

रहेगी। परिसर में एक भव्य यज्ञशाला बनाई गई है, जहां 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक 21 कुंडीय लक्ष्मी नारायण यज्ञ होगा। महोत्सव का आगाज़ 29 अक्टूबर को मां नर्मदा तट मंडलेश्वर से निकलने वाली 30 हज़ार भक्तों की विशाल शोभायात्रा से होगा। यज्ञाचार्य प्रीतेश महाराज और मुख्य यजमान सुधीर पाटीदार होंगे। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में निराहार समर्थ दादा गुरु समेत महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरि, उत्तम स्वामी जी और टाटम्बरी सरकार जैसे प्रमुख संतों की विशेष उपस्थिति रहेगी। वहीं, देश एवं प्रदेश के कई नामचीन जनप्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर आदि प्रमुख हैं। आयोजन के दौरान राष्ट्र गौरव सैनिक सम्मान भी किया जाएगा।

खेत में नरवाई, सीधे बोवनी करेगा सुपर सीडर, दो मशीनों को कलेक्टर-विधायक ने दिखाई हरी झंडी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

किसानों के लिए अब खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाना बीते दिनों की बात हो सकती है। कृषि यंत्रों में नई तकनीक के साथ 'सुपर सीडर' मशीन आ गई है, जिसमें रोटावेटर और सीड ड्रिल एक साथ लगे होते हैं। इससे किसान नरवाई वाले खेत में सीधे जुताई और बुवाई एक साथ कर सकेंगे। जिले के दो किसानों ने यह मशीन खरीदी है, जिन्हें सोमवार को कलेक्टर ऋषव गुप्ता और विधायक कंचन तनवे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कृषि विभाग के उपसंचालक नितेश यादव ने बताया कि सुपर सीडर मशीन एक ही बार में जुताई और बुवाई का काम कर देती है। यह खेत में फसल कटने के बाद बचे हुए डंठल (नरवाई) को काटकर मिट्टी में मिला देती है, जिससे खेत अगली फसल के लिए तैयार हो जाता है।

बीसीसीआई ने नकवी को ई-मेल भेजा, जल्द ट्रॉफी देने की मांग, एसीसी का जवाब-ऑफिस आकर ट्रॉफी लें

नई दिल्ली (एजेंसी) ● बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में उठाया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। एसीसी चीफ मोहसिन नकवी ने ई-मेल का जवाब देते हुए कहा कि एशिया कप ट्रॉफी ऑफिस आकर ही मिलेगी। बीसीसीआई मेल भेजकर राजनीति कर रहा है। ट्रॉफी ष्ट के ऑफिस में ही रखी हुई है। सैकिया ने कहा था, हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वो जवाब नहीं देते या कोई नेगेटिव जवाब देते हैं तो आईसीसी में शिकायत की जाएगी। भारत ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं। नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए थे एशिया कप फाइनल के बाद नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल

के चेयरमैन होने के नाते प्रेजेंटेशन सेरेमनी में आए थे। सेरेमनी के प्रेजेंटर साइमन डूल ने कहा कि भारतीय टीम उनसे अवॉर्ड्स नहीं लेगी। भारतीय टीम ष्ट के किसी अन्य अधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने को तैयार थी, पर नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए। भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बार-बार 6-0 के इशारे किए थे। वे पाकिस्तान के इस फर्जी दावे को दोहरा रहे थे कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 6 फाइटर जेट गिराए थे। नकवी ने कहा था- मैं कार्टून की तरह खड़ा था एशिया कप फाइनल के बाद बीसीसीआई ने एसीसीकी एनुअल जनरल मीटिंग में भारत को चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी ने कहा, मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।

स्मृति मंधाना की वनडे में रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी) ●भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी ताजा महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्द्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं। फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) ने भी बल्ले से अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में अपनी जगह मजबूत की है। शीर्ष

10 के बाहर भी कुछ बदलाव हुए हैं, जिसमें भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (पांच स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) और इंग्लैंड की अनुभवी हीथर नाइट (15 स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) सभी को विश्व कप में बल्ले से उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने विश्व कप में अब तक पांच मैच में 13 विकेट की बदौलत तीन स्थान के फायदे से तीसरा स्थान हासिल किया है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच में कप्तानी करेंगे ऋषभ

मुंबई (एजेंसी) ● आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है। इसी के साथ ही ऋषभ की मैदान पर वापसी तय हो गयी है। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में पैर की अंगुली में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। इंडिया ए को बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 चार-चार

दिवसीय मैच खेलने हैं। इसका पहला मैच 30 अक्टूबर से खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 6 नवंबर से खेला जाएगा। इसके बाद 14 नवंबर से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इससे उपकप्तान ऋषभ की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होगी। ऋषभ को पहले 25 अक्टूबर से दिल्ली के लिए रणजी मैच खेलना था पर अब उनको वह मैच खेलने की जरुरत नहीं रहेगी। वह अपनी मैच फिटनेस इंडिया ए के मैचों में ही साबित कर सकते हैं। दोनो ही चार दिवसीय मैचों के लिए टीम में कुछ बदलाव भी किये गये हैं।

सिने जगत

फिल्म 'डीजल' में हरीश ने पहली बार एक्शन हीरो का निभाया किरदार

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर डीजल हाल ही में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। इस बारे में हरीश कल्याण ने बताया कि डीजल में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे ब्लैक गोल्ड कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। डीजल उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी।

ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही चर्चा में फिल्म 'थामा'

मुंबई (एजेंसी) ● आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी थामा फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली पेशकश थामा अपने ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही चर्चा में है। यह फिल्म स्त्री, मुंज्या, भेड़िया और स्त्री 2 जैसी हिट फिल्मों की कड़ी को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है। रोमांस, हॉरर और कॉमेडी का यह दिलचस्प मिश्रण 2025 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आयुष्मान खुराना ने बताया कि उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर जाकर यह किरदार निभाना बेहद रोमांचक लगा। उन्होंने कहा कि हर कलाकार के लिए कुछ नया करना जरूरी होता है ताकि वो खुद को दोहराए नहीं। इस बार उन्होंने कोई हॉरर फिल्म देखकर तैयारी नहीं की, बल्कि निर्देशक के विज़न पर पूरा भरोसा रखा। उनके मुताबिक, थामा एक ऐसी फिल्म है जो हिंदी सिनेमा में 'बेताल'

जैसी अवधारणा को पहली बार सामने लाती है। आयुष्मान का कहना है कि यह उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है और दिवाली पर रिलीज़ होना इसे और खास बनाता है। रश्मिका मंदाना ने भी इस फिल्म को अपने करियर का नया अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि हॉरर-कॉमेडी उनके लिए बिल्कुल नया जॉनर है। किरदार की तैयारी के दौरान कोई तय पैटर्न या रेफरेंस नहीं था, जिससे इसे निभाना चुनौतीपूर्ण और मजेदार दोनों बन गया।

उज्जैन संभाग

महाकाल लोक में फाउंटेन लेजर लाइट एंड साउंड की शुरुआत महाकाल की गौरव गाथा को जान सकेंगे भक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● दिवाली के अवसर पर महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को एक साथ तीन सौगातें मिली हैं। सोमवार से मंदिर परिसर में रुद्र सागर पर आधारित फाउंटेन और लेजर लाइट एंड साउंड शो की शुरुआत हुई है। इसके साथ ही श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति के बैंड की प्रस्तुतियां और रागी (मिलेट) से बने लड्डू श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में मिलना शुरू हो गए हैं। दिवाली की छुट्टी और पर्व को देखते हुए एक सप्ताह तक महाकाल मंदिर में भारी भीड़ की संभावना है। ऐसे में देशभर से आने वाले श्रद्धालु इन नवाचारों का आनंद उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के मौके पर 'श्री महाकालेश्वर बैंड' और 'श्री अन्न लड्डू प्रसादम' का शुभारंभ किया।

साथ ही महाकाल लोक परिसर स्थित रुद्र सागर पर वाटर स्क्रीन फाउंटेन आधारित लेजर शो का भी लोकार्पण किया गया।यह शो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा 18 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इस 25 मिनट के शो में भगवान श्री महाकालेश्वर, मोक्षदायिनी शिप्रा नदी और अवंतिका नगरी (उज्जैन) की गौरवगाथा को भव्य अंदाज में दर्शाया गया है।

श्री महाकालेश्वर बैंड की होगी प्रस्तुति मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'श्री महाकालेश्वर बैंड' में कुल 21 कलाकारों का दल शामिल है, जो पारंपरिक और आध्यात्मिक वाद्ययंत्रों पर प्रस्तुति देगा। यह बैंड महाकाल मंदिर में आरती से पहले अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां देगा। हालांकि, यह तय नहीं हो पाया है कि बैंड किस आरती के पहले नियमित प्रस्तुति देगा। महाकाल मंदिर समिति ने बेसन लड्डू के साथ अब रागी (मिलेट) से बने 'श्री अन्न लड्डू प्रसादम' की भी शुरुआत की है। इसके लिए महाकाल लोक परिसर में एक विशेष काउंटर लगाया गया है। यह पहल मिलेट वर्ष 2023-24 और पोषण को ध्यान में रखते हुए की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वास्थ्यवर्धक प्रसाद मिल सके।

उज्जैन में गायों के आगे लेटकर निभाते हैं परंपरा दिवाली की पड़वा पर हर साल होती है गौरी पूजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन के भिड़ावाद, लुहारीय और रावदिया गांवों में चली आ रही एक परंपरा लोगों के न सिर्फ रोंगटे खड़े कर देती है, बल्कि देखने वालों के दिल भी दहल जाता है। यहां पर परंपरा के नाम दिवाली के बाद पड़वा के दिन मौत का खेल खेला जाता है। इस दिन सबसे पहले गांव की गायों को स्नान कराया जाता है। उन्हें सजाते हैं। सूरज निकलते ही मंदिरों में घंटियां बजने लगतीं हैं। फिर ग्रामीण अपनी गायों के साथ चौक में एकत्रित हो जाते हैं। जहां से मन्नत मांगने वाले लोगों का एक जुलूस पूरे गांव में निकाला जाता है। जुलूस खत्म होने के बाद गांव के मुख्य मार्ग पर इन उपवास रखने वाले लोगों को मुंह के बल जमीन पर लेटाया जाता है। उसके बाद गांव की सैकड़ों गायों को छोड़ दिया जाता है। ये गाय दौड़ते हुए जमीन पर लेटे हुए युवकों के ऊपर से गुजर जाती है। इस परंपरा को ग्रामीण गौरी पूजन कहते हैं, जो भिड़ावद समेत 3 गांवों में देखने को मिलती है। जिसे देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं। उज्जैन से करीब से 76 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बड़नगर तहसील के 5 हजार की आबादी वाले ग्राम भिड़ावद में अनूठी और रोंगटे खड़ी कर देने वाली आस्था देखने को मिलती है। गांव में सुबह गोरी पूजन के दौरान गांव के युवक जमीन पर लेट जाते हैं। उनके ऊपर से दौड़ती हुई गाय निकलती है। मान्यता है कि ऐसा करने से गांव में खुशहाली आती है। उपवास रखने वाले लोगों की मान्यता पूरी होती है। परंपरा अनुसार दीपावली के पांच दिन पहले सभी उपवास रखने वाले गांव के युवकों ने ग्यारस के दिन अपना घर छोड़ दिया था। सभी गांव के माता भवानी के मंदिर में आकर रहने लग गए थे। दिवाली के अगले दिन पड़वा पर उपवास रखने रखने वाले भिड़ावद के अटल चौधरी और कन्हैयालाल चौहान एवं अन्य युवाओं को गायों के सामने जमीन पर लेटाया गया और ढोल बजाकर एक साथ गायों को इनके ऊपर से निकाला गया।

देपालपुर में पहली बार हुआ दीपावली पर सफाई कर्मियो का सम्मान

झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश - दीपावली पर खिले सफाई कर्मियों के चेहरे

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

दीपावली के पावन अवसर पर नगर में जहां हर ओर रोशनी और उल्लास का माहौल रहा, वहीं सफाई मित्रों के चेहरों पर भी मुस्कान की नई चमक देखने को मिली।पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा के निवास पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह में नगर परिषद के सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया।इस अवसर पर श्री वर्मा ने सभी सफाई मित्रों को नाश्ता करवाकर, मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और फूलों की पंखुड़ियों से उनका स्वागत किया।महिला सफाई कर्मियों के सम्मान में दीप्ति वर्मा ने आगे बढ़कर सभी महिला और पुरुष सफाई मित्रों को

उपहारस्वरूप साड़ियां, कपड़े और मिठाइयां भेंट कीं।उपहार पाकर सफाई कर्मियों के चेहरों पर खुशी और गर्व झलक उठा।सफाई मित्रों ने बताया कि यह पहला अवसर है जब दीपावली पर किसी ने उन्हें इतने स्नेह और आदर से सम्मानित किया है। समारोह के बाद चिंटू वर्मा और उनके सहयोगियों ने स्वयं हाथ में झाड़ू उठाकर सफाई अभियान चलाया और नगरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। जब सफाई कर्मियों ने देखा कि समाज के लोग स्वयं झाड़ू लगाकर उदाहरण पेश कर रहे हैं, तो उनके चेहरों पर अपार खुशी दिखाई दी।

इस अवसर पर श्री वर्मा ने कहा कि सफाई मित्र नगर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके सम्मान के बिना कोई भी समाज पूर्ण नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि देपालपुर को स्वच्छता में नंबर-1 नगर बनाने के लिए अब हर घर तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाया जाएगा। दीपावली के इस अवसर पर आयोजित यह सफाई मित्र सम्मान एवं स्वच्छता संकल्प समारोह न केवल कर्मठ सफाई कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने वाला साबित हुआ, बल्कि समाज में सम्मान, समानता और स्वच्छता का प्रेरक संदेश भी दे गया।

कार वॉश करते समय करंट लगने से युवक की मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● दीपावली की देर शाम आगर मालवा में गैराज पर कार वाश करते समय 31 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक राहुल पिता रामबाबू गवली अपने छोटे भाई अंकित के गैराज पर उसकी मदद करने के लिए पहुंचा था। एक कार की वाशिंग करते समय राहुल को करंट लग गया, भाई अंकित ने तुरंत बिजली कनेक्शन बंद किया और घायल राहुल को जिला हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। यहां उसे मृत घोषित कर दिया। राहुल गवली बड़ा गवली पूरा का रहने वाला था और ड्राइवरी का कार्य करता था। परिजनों ने बताया कि मृतक की एक 3 वर्षीय बेटी है और उसकी पत्नी गर्भवती है। कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। मंगलवार सुबह जिला हॉस्पिटल में मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया है।

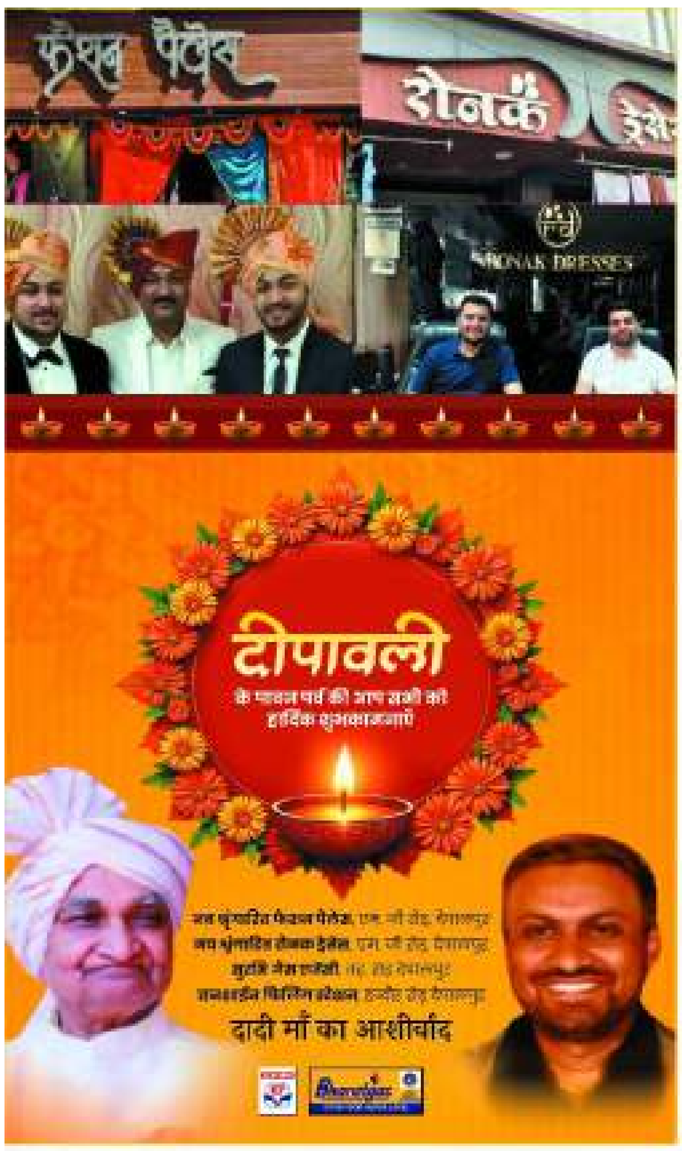

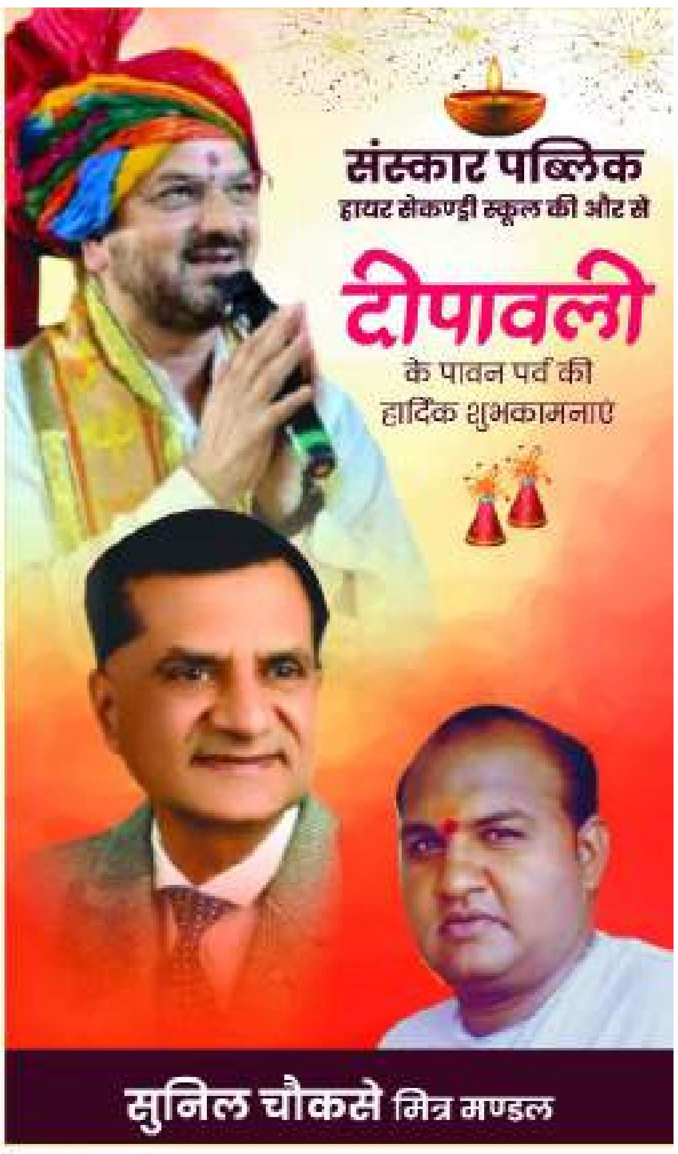

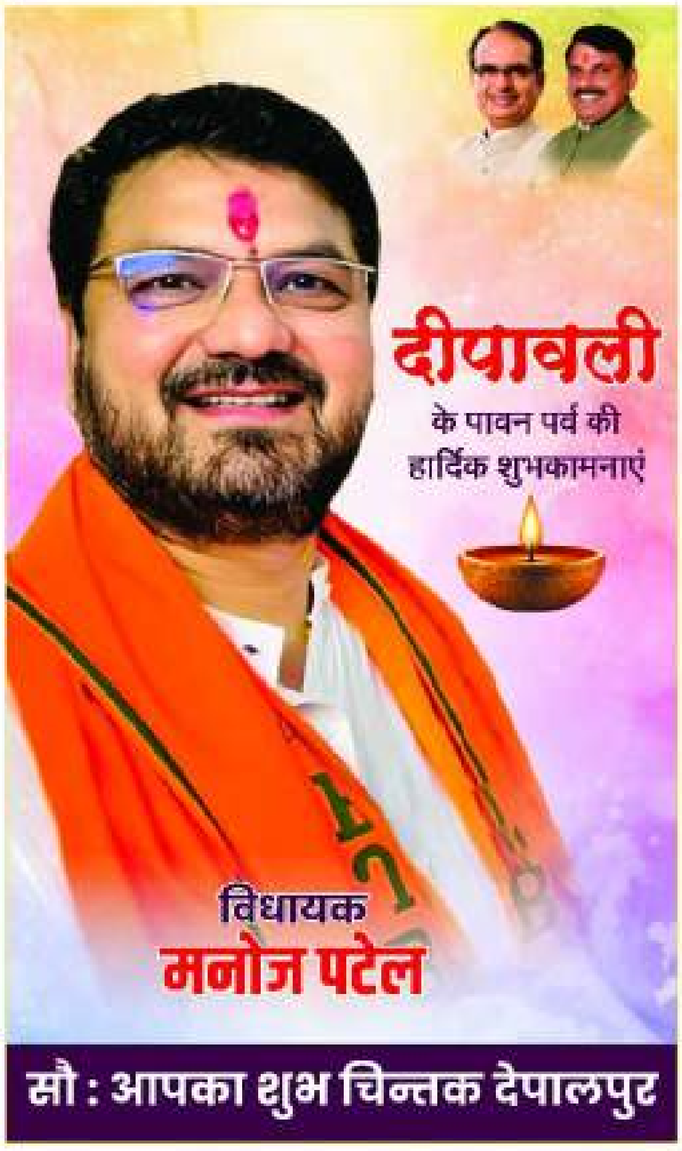

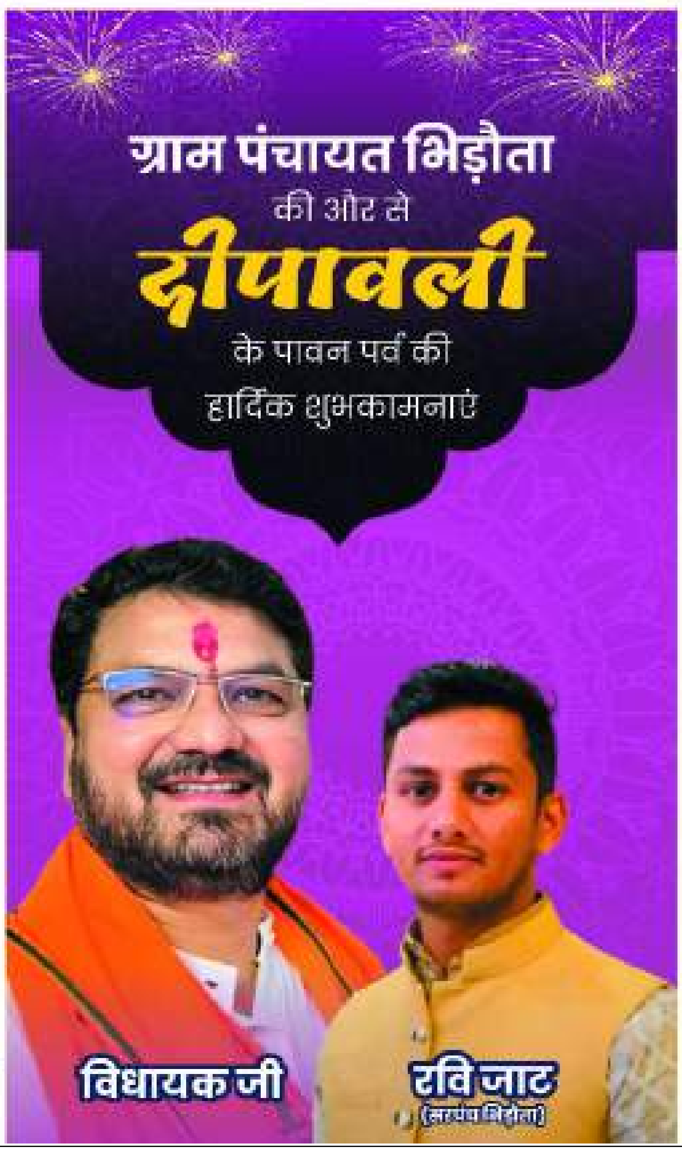

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।